Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी साहित्य
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : एकांकी संचय

पाठ-4 'सूखी डाली' (एकांकी) लेखक - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

निम्नलिखित अवतरण पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखो :-
" आप मुझे काँटों में क्यों घसीटती हैं ? आप मेरे साथ क्यों परायों का-सा व्यवहार करती हैं ?"

प्रश्न (i) प्रस्तुत कथन कौन, किससे, किन परिस्थितियों में कह रहा है ?

उत्तर प्रस्तुत कथन बेला बड़ी बहू (बेली की बड़ी जेठानी) से कह रही है। इस कथन की परिस्थितियाँ यह हैं कि दादा जी के द्वारा सभी स्त्री सदस्यों को समझाया गया था कि वे सब बेला का आदर करें, सम्मान के साथ बात करें, क्योंकि वह पढ़ी-लिखी है। उम्र में चाहे छोटी है मगर बुद्धि में हम सबसे बड़ी है। इसलिए सभी स्त्रियाँ उसे 'आप' और 'जी' कहकर बात करने लगी हैं। इस समय भी बड़ी बहू ने बेला से कहा था कि 'हम आपसे छोटी हैं, वर्ग में भी और बुद्धि में भी'। उनकी यह बात सुनकर ही बेला ने उपर्युक्त संवाद कहा है।

प्रश्न 'काँटों में घसीटने' से क्या तात्पर्य है ? काँटों में घसीटने की बात वक्ता के मन में क्यों आई ?

उत्तर काँटों में घसीटने से वक्ता का तात्पर्य यह है कि जो सम्मान उसे दिया जा रहा है, सब उसे अपने-आप से बड़ा बता रहे हैं, सम्मानपूर्वक बातें कर रहे हैं, जबकि वह सबसे छोटी है, इसलिए बेला को ये बातें, ये सम्मान, ये हद से ज्यादा विनम्रता दिखाना अच्छा नहीं लग रहा है। इस तरह सब बड़ों के द्वारा उसे इतना आदर देना ऐसा लग रहा है जैसे वे सब उसके

साथ परायों का-सा व्यवहार कर रहे हैं।

प्रश्न (iii) वक्ता ने (बेला ने) अर्युक्त कथन किन परिस्थितियों में कहा है और क्यों ?

उत्तर- बड़ी बहू ने बेला से यह बात कह दी थी 'हम आपसे छोटी हैं वर्ग में भी और बुद्धि में भी।' यह बात बेला के मन को चुभ गई।

प्रश्न (iv) इस कथन के आधार पर वक्ता की मनः स्थिति (मन की दशा) पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- यहाँ पर वक्ता अर्थात् बेला कुछ खिन्न है। वह यह नहीं समझ पा रही है कि जो लोग उसका विरोध करते थे, वे आखिर इतना आदर क्यों दे रहे हैं। वह अपने को परिवार से कुछ अलग-सा महसूस करती है। इसलिए उसके मन में दुःख है।

"यही मेरी आकांक्षा है कि सब डालियाँ साथ-साथ फले-फूलें, जीवन की सुखद, शीतल वायु के स्पर्श से झूमें और सरसराएँ। विटप से अलग होने वाली डाली की कल्पना ही मुझे सिहरा देती है।"

प्रश्न (i) वक्ता और श्रोता कौन हैं ? कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- प्रस्तुत कथन दादा जी ने मँझली बहू से कहा है। उनकी बातचीत का संदर्भ छोटी बहू को संतुष्ट रखने से है। उसे खुश रखकर ही परिवार की एकता बनी रह सकती है।

प्रश्न (ii) सब डालियाँ साथ-साथ फलने-फूलने से क्या तात्पर्य है ? डालियाँ शब्द किनके लिए प्रयोग किया गया है ?

उत्तर- सब डालियाँ साथ-साथ फलने-फूलने से तात्पर्य यह है कि परिवार के सभी सदस्य प्रसन्न रहें। डालियाँ शब्द परिवार के सदस्यों के लिए प्रयुक्त हुआ है।

प्रश्न (iii) यह किसकी आकांक्षा है कि 'सब डालियाँ साथ-साथ फलें-फूलें और क्यों ? इस एकांकी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

उत्तर- 'सब डालियाँ साथ-साथ फले-फूलें' - यह आकांक्षा दादा जी की है। वे पुराने विचारों के अनुभवी व्यक्ति हैं। वे इस

परिवार के मुखिया हैं। इस एकांकी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि संयुक्त परिवार के हर सदस्य को मिलजुल कर रहना चाहिए। सब लोग एक दूसरे का सम्मान करें और किसी को बड़ा छोटा न समझें और घर के मुखिया की बात मानें तो परिवार सुखी और संपन्न रह सकता है।

प्रश्न (iv) विटप से अलग होने वाली डाली की कल्पना से कौन सिहर उठता है और क्यों ?

उत्तर- विटप से अलग होने वाली डाली की कल्पना से दादा जी सिहर उठते हैं, क्योंकि उन्हें यह पता है कि पेड़ से डाली के अलग हो जाने पर डाली सूख जाती है। इसी प्रकार यदि छोटी बहू परिवार से अलग हो गई तो वह भी सुखी नहीं रहेंगे।

[अंतिम पृष्ठ]